सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र: 2026-2027

कक्षा-दसवीं **विषय- हिन्दी** **कार्यपत्रिका-5**

मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला ।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला ।
ऊँचा ऊँचा महल बणावं बिच बिच राखूँ बारी ।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी ।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां ।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ ।।

प्रश्न

(क) श्रीकृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(ख) मीरा श्रीकृष्ण से यमुना जी के किनारे क्यों मिलना चाहती हैं?

(ग) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. 'मोर मुगट' शब्द का तात्पर्य है-

(क) मोर जैसा मुकुट (ख) मोर पंख (ग) मोर पंख युक्त मुकुट (घ) उपर्युक्त सभी

2. कृष्ण के गले में है-

(क) पुष्पों की माला (ख) मोतियों की माला (ग) रत्नों की माला (घ) वैजयंती माला

3. मीरा ऊँचे-ऊँचे महलों के बीच-बीच में 'बारी' क्यों बनाना चाहती हैं?

(क) जिससे कि वे उनसे ठंडी हवा का आनंद ले सकें

(ख) जिससे कि वे उनसे उपवन के सौंदर्य का अवलोकन कर सकें

(ग) जिससे कि वे उनसे श्रीकृष्ण के दर्शन कर सकें

(घ) उपर्युक्त सभी

4. 'कुसुम्बी' का तात्पर्य है-

(क) केसर के रंग की (ख) गहरा लाल (ग) हल्का लाल (घ) पीला

5. मीरा श्रीकृष्ण से प्रार्थना करती हैं-

(क) वे उसे भवसागर से पार उतार दें (ख) वे उसके मन में बस जाएँ

(ग) वे यमुना के तट पर आधी रात के समय बंसी बजाएँ

(घ) वे यमना के तट पर उसे आधी रात के समय दर्शन दें